भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1971
गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक) **को दिया जाने वाला उत्तर**

सबेया एयरफील्ड का विकास

1971. डॉ. आलोक कुमार सुमनः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सबेया एयरफील्ड (हथुवा) को उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने के बाद इसके विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार ने विभिन्न अभ्यावेदनों के बावजूद छोटे विमानों के संचालन हेतु निविदा योजना में सबेया एयरफील्ड को शामिल नहीं किया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार का 'उड़ान' के अंतर्गत निविदा के आगामी दौर में उक्त हवाई क्षेत्र को शामिल करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग)**:** बिहार की सबेया (हथुवा) हवाईपट्टी, क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) दस्तावेज़ में असेवित हवाईपट्टियों/ हवाईअड्डों की संभावित सूची में शामिल है।

उड़ान योजना के प्रावधानों के अनुसार, असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार/उन्नयन वैध बोली के माध्यम से उन्हें चिह्नित करने और चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को अवार्ड करने के उपरांत किया जाता है। अब तक आयोजित बोली प्रक्रिया के पांच दौर के पूरा होने तक किसी भी एयरलाइन ने सबेया हवाईपट्टी से आरसीएस उड़ानों को परिचालित करने का कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है। इस प्रकार, इस योजना के तहत सबेया हवाईपट्टी का पुनरुद्धार शुरू नहीं किया गया है।

यदि कोई एयरलाइन भविष्य में होने वाले बोली प्रक्रिया के दौर में सबेया हवाईपट्टी को जोड़ने वाले मार्गों के लिए बोली प्रस्तुत करती है, तो 'उड़ान' योजना के प्रावधानों के अनुसार उस पर विचार किया जा सकता है।

*****